

③ देशज शब्द- देश+ज = देश में ही जन्मे शब्द

ये शब्द जिनकी उत्पत्ति का कोई स्रोत नहीं होता अर्थात् क्षेत्रीय जनता द्वारा आवश्यकतानुसार रच लिए गए शब्द देशज शब्द कहलाते हैं।
 जैसे- बाप, बुढ़ू, लोरा, मुक्का, घेवर, भिण्डी, बाजरा, ऊपला, लोरा, कलौरा, पेराल, डोंगा, डिबिया, पगड़ी, खिड़की, तुमरी, जूला, डेल, कलसाई, चमक, अंला, चिड़िया, जूला, लुंभा-

खिचड़ी, छोरा, छोरी, फुनगी, डाब, दीदी, पहाखा,

④ विदेशी/विदेशज शब्द-

वे शब्द जिनका जन्म तो विदेशों में हुआ है, लेकिन प्रयोग हिन्दी में किया जा रहा है, विदेशी/विदेशज शब्द कहलाते हैं-

जैसे- फारसी भाषा के शब्द, अरबी भाषा के शब्द जापानी भाषा के शब्द, फ्रांसीसी भाषा के शब्द, पुर्तगाली भाषा के शब्द इत्यादि

अरबी भाषा के शब्द-

- ① हे अल््लाह अमीर आदमी अजीब हैं,
अदालत में अम्स से आजाद हो जाते हैं।
- ② इरादे और इशारे में, इलाज के इन्तजार में, गरीब और आदने,
इज्जत और इमान गंवा दिया तथा इनाम में इस्तीफा मिला।

③ कमाल है कानून की मदद से कुसी पर कब्जा,

और किस्मत की किताब से कबीले की कीमत मिलती है।

④ जनाब जिले में जलसा कर रहे थे

जवाब में जुर्माना हुआ।

⑤ वकील ने तहसील में तारीख की ताकत और हुक्म से,

बहस के द्वारा तूफान खड़ा कर तराजू की तरह फैसला सुनवाया।

- ⑥ दफ्तर में लिकाफा और दुनिया में दौलत का नशा
मतलब के लिए हैं।
- ⑦ फकीर की शादी और शतरंज का नतीजा,
हलवाई के सुबह के नकद हिसाब जैसा है।
- ⑧ मुल्ताजी ने मजहब को मशहूर करने के लिए मौलवी को मजबूर किया,
और टकीम ने मुसाफिर को खराब मौसम में मुहावरा सुनाया।